भ्रष्टाचार | कंपनी में रोजगार के नाम पर चल रहा भ्रष्टाचार का काला खेल

नौकरियों की खुली बोली,ढाबा बना उगाही का केंद्र

नवभारत, रामपुर/सोहागपुर । कोयलांचल के रामपुर क्षेत्र में ओबी बर्डन और कोयला डिस्पैच का कार्य कर रही जय अंबे कंपनी इन दिनों विकास नहीं, बल्कि विवादों और भ्रष्टाचार का पर्याय बन चुकी है। कंपनी में रोजगार के नाम पर एक ऐसा काला खेल खेला जा रहा है, जहाँ योग्यता नहीं बल्कि 'गाँठ की गर्मी' (पैसा) देखी जा रही है। मजदूरों के पसीने पर पलने वाले दलाल और प्रबंधन की जुगलबंदी ने यहाँ श्रम कानूनों की धज्जियां उड़ाकर रख दी हैं।

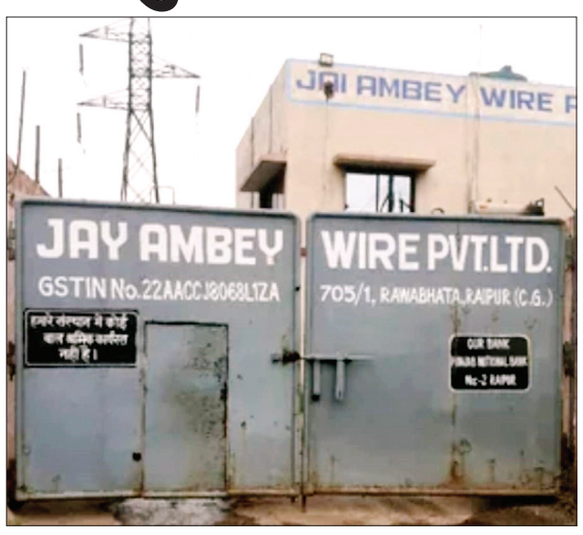

70,000 में बिक रही हैं नौकरियां

स्थानीय सूत्रों और प्रताड़ित मजदूरों से मिली जानकारी के अनुसार, इस पूरे भ्रष्टाचार के खेल का मास्टरमाइंड त्रिपाठी नाम का व्यक्ति बताया जा रहा है। आरोप है कि त्रिपाठी ने दलालों का एक ऐसा मकड़जाल बुना है, जो बेरोजगार युवाओं से भर्ती के नाम पर 60 से 70 हजार रुपये की अवैध वसूली कर रहा है। भ्रष्टाचार की यह 'डील' किसी सरकारी दफ्तर में नहीं, बल्कि चंद्रा ढाबा पर फाइनल होती है, जो इस सिंडिकेट के अवैध लेनदेन का मुख्य अड्डा बन चुका है।

सच बोलने पर 'सजा' : मजदूरों का वेतन डकार गया प्रबंधन

हैरानी की बात तो यह है कि जब पिछले दिनों इस लेन-देन की खबरें सुलगने लगीं, तो खुद को पाक-साफ दिखाने के लिए कंपनी प्रबंधक ने आनन-फानन में 8 से 9 निर्दोष मजदूरों को काम से बाहर का रास्ता दिखा दिया। इन मजदूरों का कसूर सिर्फ इतना था कि वे इस भ्रष्टाचार के गवाह बन रहे थे। हद तो तब हो गई जब इन निकाले गए श्रमिकों का महीनों का वेतन भी कंपनी डकार गई।

श्रमिकों का हो रहा शोषण

जय अंबे कंपनी में श्रमिकों का शोषण मध्यकालीन दास प्रथा की याद दिलाता है। वेतन घोटाला मजदूरों को सरकार द्वारा निर्धारित एचपीसी (High Power Committee) रेट का भुगतान नहीं किया जा रहा है। कंपनी अपनी मनमर्जी से वेतन बांट रही है।

जय अम्बे में धमकी राज

यदि कोई मजदूर अपने हक या एचपीसी रेट की मांग करता है, तो उसे सीधे काम से निकालने की धमकी दी जाती है। जबरन ओवर टाइम (ओटी): श्रमिकों को उनकी इच्छा के विरुद्ध अतिरिक्त काम (ओटी) के लिए मजबूर किया जाता है। इनकार करने पर गेट के बाहर कर देने का डर दिखाया जाता है।

मजदूर को मजबूर न समझें प्रबंधन

जय अंबे कंपनी की इस तानाशाही और आर्थिक शोषण से स्थानीय श्रमिकों में भारी आक्रोश है। यदि समय रहते प्रशासन और उच्च अधिकारियों ने इस 'त्रिपाठी सिंडिकेट' पर नकेल नहीं कसी, तो मजदूरों का यह असंतोष किसी भी दिन एक विकराल आंदोलन या हिंसक रूप ले सकता है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी कंपनी और स्थानीय प्रबंधन की होगी।

अतीत के दाग और वर्तमान का 'गुंडाराज'

चर्चा है कि कभी चाय बेचने वाला और दहेज उत्पीड़न जैसे गंभीर मामलों का आरोपी रहा त्रिपाठी आज प्रबंधन की शह पर श्रमिकों के भाग्य का विधाता बन बैठा है। मजदूरों का आरोप है कि त्रिपाठी और कंपनी प्रबंधन की मिलीभगत इतनी गहरी है कि वे खुद को कानून से ऊपर समझने लगे हैं। इसी मानसिक उत्पीड़न के कारण कई पुराने और अनुभवी श्रमिकों ने काम छोड़ना ही बेहतर समझा।

प्रबंधन की चुप्पी : मौन सहमति या डर

जब इस गंभीर मामले में 'नव भारत' प्रतिनिधि संदीप शर्मा ने रामपुर बटुरा के उप क्षेत्रीय प्रबंधक से दूरभाष पर उनका पक्ष जानने की कोशिश की, तो साहब ने फोन उठाना मुनासिब नहीं समझा। प्रबंधक की यह चुप्पी साफ संकेत देती है कि भ्रष्टाचार के इस बहती गंगा में ऊपर से लेकर नीचे तक सब हाथ धो रहे हैं। इस संबंध में सहायक श्रमायुक्त (केंद्रीय)से चर्चा की गई तो उनके द्वारा कहा गया कि इस विषय को मैं दिखवाता हूँ और प्रबंधक से जानकारी लेता हूँ ।

राजेंद्र सिंह राजपूत
सहायक श्रमायुक्त (केंद्रीय) शहडोल

विश्व मलेरिया दिवस पर कार्यशाला, जागरूकता और समन्वय पर जोर

नवभारत,शहडोल। विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. शुक्ला की अध्यक्षता में आई-पी-पी-06 सभाकक्ष में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मलेरिया की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए प्रभावी क्रियान्वयन और जन-जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यशाला को संबोधित करते हुए डॉ. शुक्ला ने कहा कि मलेरिया से बचाव के लिए सतर्कता सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि महिला एवं बाल विकास, पंचायत, ग्रामीण एवं शहरी विकास, नगरीय प्रशासन, वन, कृषि और शिक्षा विभाग सहित सभी सहयोगी विभागों के समन्वय से ही मलेरिया उन्मूलन संभव है। इस अवसर पर अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा थीम के अनुसार उपस्थित लोगों को शपथ दिलाई गई। जिला मलेरिया अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मलेरिया संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। इसके प्रमुख लक्षणों में ठंड लगकर बुखार आना, उल्टी, बेचैनी और सिरदर्द शामिल हैं। उन्होंने बताया कि जिले के सभी शासकीय अस्पतालों, उप स्वास्थ्य केंद्रों एवं आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से मलेरिया की जांच एवं उपचार नि:शुल्क उपलब्ध है। जिला व्हीबीडी सलाहकार ने बताया कि जिले में लगातार सर्विलेंस और समय पर उपचार के चलते मलेरिया के मामलों में कमी आई है। उन्होंने आमजन से अपील की कि मच्छरों से बचाव के लिए मच्छरदानी का उपयोग करें, घर के आसपास साफ-सफाई रखें, पानी जमा न होने दें तथा दरवाजों-खिड़कियों में जाली लगवाएं। कार्यशाला के दौरान मलेरिया एवं फाइलेरिया कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. सुनील स्थापक (जिला टीकाकरण अधिकारी/मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी सिंहपुर), जिला मलेरिया अधिकारीएच.पी. नामदेव, शिव शंकर शुक्ला (जिला व्हीबीडी सलाहकार), राम गोपाल गुप्ता (जिला कम्युनिटी मोबिलाइजर), रीटू चौबे (एपीएम) सहित जिले के सभी विकासखंडों एवं शहरी क्षेत्रों के स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता एवं मलेरिया विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

लगातार हार से टूटता मनोबल, कांग्रेस के 3 नेता सपा में गए

नवभारत, शहडोल। जिले के ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस संगठन के भीतर असंतोष की स्थिति लगातार गहराती नजर आ रही है। पार्टी की कमजोर होती पकड़ और लगातार चुनावी हार से निराश होकर कांग्रेस से जुड़े तीन युवा नेताओं ने पार्टी को अलविदा कह दिया है और समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है। जानकारी के अनुसार, लंबे समय से कांग्रेस से जुड़े रहे संतोष उर्मिलिया (ठेकेदार) के परिजन ओमप्रकाश उर्मिलिया, अनुराग सिंह और जफर खान ने पार्टी की नीतियों और स्थानीय नेतृत्व से असंतुष्ट होकर यह कदम उठाया है। बताया जा रहा है कि ये तीनों नेता अब सपा के साथ सक्रिय भूमिका निभाने की तैयारी में हैं।स्थानीय राजनीतिक विश्लेषकों का

मानना है कि बीते एक दशक में हुए चुनावों में कांग्रेस को लगातार हार का सामना करना पड़ा है, जिससे कार्यकर्ताओं का मनोबल कमजोर हुआ है। संगठन में संवादहीनता और उपेक्षा की भावना भी इस असंतोष का प्रमुख कारण बताई जा रही है। यही वजह है कि अब कार्यकर्ता और नेता अन्य विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, यदि जल्द ही संगठन स्तर पर सुधार नहीं किया गया तो आने वाले समय में और भी नेता पार्टी छोड़ सकते हैं। वहीं, सपा नेतृत्व ने इन तीनों नेताओं का स्वागत करते हुए उन्हें संगठन में जिम्मेदारी देने के संकेत दिए हैं।राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी तेज है कि यदि कांग्रेस ने स्थिति को गंभीरता से नहीं लिया, तो ब्योहारी क्षेत्र में उसका जनाधार और कमजोर हो सकता है। फिलहाल, इस घटनाक्रम को लेकर क्षेत्र की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

जल गुणवत्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

नवभारत, शहडोल । जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जिले के सोहागपुर, बुढार एवं जयसिंहनगर विकासखण्डों में एक साथ एफटीके (जल गुणवत्ता परीक्षण) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करना एवं स्थानीय स्तर पर जांच की क्षमता विकसित करना है।प्रशिक्षण कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता एवं ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों को जल गुणवत्ता परीक्षण की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को पानी की शुद्धता जांचने की विधियों के साथ-साथ स्वच्छ जल के महत्व से भी अवगत कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि प्रत्येक ग्राम से पांच कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

एक ही वार में खत्म हो गई बड़े भाई की जिंदगी

किस बात पर भड़का गुस्सा, आरोपी छोटा भाई फरार

नवभारत ,खैरहा,शहडोल। जिले के खैरहा थाना क्षेत्र के ग्राम सारंगपुर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप लेते हुए एक व्यक्ति की जान ले ली। यहां छोटे भाई ने गुस्से में आकर अपने ही बड़े भाई की सब्बल से वार कर हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार शाम करीब 4 बजे 52 वर्षीय पन्नेलाल कोल अपने घर पर मौजूद था। इसी दौरान उसका

छोटा भाई जगमोहन कोल वहां पहुंचा। घर में सामान्य बातचीत के दौरान जब उससे भोजन के बारे में पूछा गया तो उसने इंकार कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों भाइयों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई।

विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर जगमोहन ने पास में रखी लोहे की सब्बल उठा ली और पन्नेलाल के सिर पर जोरदार हमला कर दिया। वार बेहद गंभीर था, जिससे पन्नेलाल ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद घर में चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग मौके पर जुट गए, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था। सूचना मिलते ही खैरहा थाना प्रभारी उमा शंकर चतुर्वेदी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीओपी बुढ़ार विकास पांडेय भी मौके पर पहुंचे और पुलिस टीम को आवश्यक निर्देश दिए। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है और उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। इस मामले में विकास पांडेय, एसडीओपी बुढ़ार ने बताया कि आपसी विवाद में छोटे भाई ने बड़े भाई की हत्या कर दी है। आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

सब जेल बुढ़ार में स्वास्थ्य एवं विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

बंदियों को मिला उपचार, अधिकारों की दी गई जानकारी

नवभारत, बुढ़ार। समाज के अंतिम पायदान तक न्याय और स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुँच सुनिश्चित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल के तहत सब जेल बुढ़ार में वृहद स्वास्थ्य परीक्षण एवं विधिक सहायता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बंदियों को न केवल उनके स्वास्थ्य की जांच और उपचार की सुविधा मिली, बल्कि उन्हें उनके संवैधानिक अधिकारों और न्यायिक प्रक्रियाओं की भी विस्तृत जानकारी दी गई। यह शिविर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के मार्गदर्शन में तहसील विधिक सेवा समिति बुढ़ार द्वारा जेल प्रशासन के सहयोग से

आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं समिति के अध्यक्ष सुशील कुमार अग्रवाल, न्यायाधीश सुश्री दिव्या रामटेके तथा जेलर विकास सिंह बघेल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

शिविर के दौरान माननीय न्यायाधीशों ने बंदियों को विधिक साक्षरता का महत्व समझाते हुए उन्हें नि:शुल्क विधिक सहायता के अधिकार, शासकीय अधिवक्ता की नियुक्ति और न्याय प्राप्ति की प्रक्रिया से अवगत कराया। उन्होंने बंदियों के लंबित प्रकरणों, स्वास्थ्य सुविधाओं, मुलाकात व्यवस्था और भोजन की गुणवत्ता के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। बंदियों ने जेल की व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताते हुए सकारात्मक वातावरण की सराहना की। स्वास्थ्य शिविर के अंतर्गत जिला आयुष विभाग शहडोल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ार के चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा सभी बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। आवश्यकतानुसार दवाइयों का वितरण भी किया गया, जिससे बंदियों को तत्काल राहत मिल सकी। कार्यक्रम के समापन अवसर पर जेलर विकास सिंह बघेल ने कहा कि गरीब एवं नि:शक्त बंदियों को सुलभ और त्वरित न्याय उपलब्ध कराना न्यायपालिका और प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जेल प्रशासन इस दिशा में पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करता रहेगा तथा इस तरह के आयोजन आगे भी निरंतर किए जाएंगे। साथ ही उन्होंने उपस्थित न्यायाधीशों और चिकित्सा दल के प्रति आभार व्यक्त किया। इस आयोजन को सफल बनाने में जेल स्टाफ की सक्रिय भूमिका रही, जिसमें मेलनर्स श्रीमती मंजू परस्ते, प्रहरी सोहनलाल कोल, ज्ञानप्रकाश मरावी, अनूप कुमार, गीतेश कुमार मिश्रा एवं विनीत कनेरिया का सहयोग उल्लेखनीय रहा।

गेहूं उपार्जन के लिए स्लॉट बुकिंग की तारीख बढ़ी

नवभारत, शहडोल। किसानों को राहत देते हुए राज्य शासन ने समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 30 अप्रैल से बढ़ाकर अब 9 मई कर दी है। यह जानकारी कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया कि गेहूं खरीदी का कार्य अब सप्ताह में छह दिन, सोमवार से शनिवार तक किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक किसानों को सुविधा मिल सके। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि लघु, मध्यम और बड़े सभी किसान निर्धारित अवधि के भीतर स्लॉट बुकिंग कर उपार्जन केंद्रों पर अपनी उपज बेच सकेंगे। उन्होंने संभाग के सभी कलेक्टरों को सख्त निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्रों पर आने वाले किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि

सभी केंद्रों पर पेयजल, बारदानों की पर्याप्त उपलब्धता, तौल कांटे, छायादार बैठक व्यवस्था सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। साथ ही, उपार्जित गेहूं का समय पर भंडारण, परिवहन और किसानों को शीघ्र भुगतान भी सुनिश्चित किया जाए। बैठक में कलेक्टर शहडोल डॉ. केदार सिंह, कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली, कलेक्टर उमरिया राखी सहाय, जिला पंचायत शहडोल के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिवम प्रजापति, अनूपपुर की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी, उमरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभय सिंह सहित विभिन्न विभागों के संभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मरखी माता की मर्यादा पर कोल माफिया का प्रहार!

नवभारत,बुढ़ार(केशवाही)। न्याय की रक्षक कही जाने वाली 'खाकी' जब खुद ही दागदार हो जाए, तो कानून का इकबाल खत्म होने लगता है। शहडोल संभाग के बुढार थाना अंतर्गत केशवाही चौकी से एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने पुलिस प्रशासन की ईमानदारी पर कालिख पोत दी है। आरोप है कि चौकी प्रभारी गंगा मार्को के कथित संरक्षण में कोयला माफिया न केवल फल-फूल रहे हैं, बल्कि आस्था के केंद्र मरखीमाता मंदिर की पवित्रता को भी पैरों तले रौंद रहे हैं।

रक्षक ही बना भक्षक : माफिया की 'त्रिमूर्ति' को अभयदान

स्थानीय सूत्रों की मानें तो केशवाही में दयाराम, संजय और बाबू नामक माफियाओं की तिकड़ी का आतंक चरम पर है। चर्चा आम है कि इन माफियाओं को चौकी प्रभारी गंगा मार्को का खुला 'अभयदान' प्राप्त है। यही कारण है कि बिना किसी खौफ के दिन-रात धरती का सीना चीरकर 'काला सोना' निकाला जा रहा है। सवाल यह उठता है कि क्या पुलिस की वर्दी अब माफिया के लिए ढाल बन गई है।

आस्था पर प्रहार : मंदिर के पास मशीनों की गूंज

मरखीमाता मंदिर, जो हजारों लोगों की आस्था का केंद्र है, उसके समीप भारी मशीनों का उपयोग कर अवैध उत्खनन किया जा रहा है। ग्रामीणों में भारी आक्रोश है कि पवित्र स्थल के पास इस 'काले कारोबार' पर चौकी प्रभारी की 'मौन स्वीकृति' आखिर क्यों है? क्या चंद रुपयों की खनक के आगे शासन-प्रशासन की छवि को दांव पर लगा दिया गया है।

सीधे सवाल : जवाब कौन देगा

क्या शहडोल के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को अपने मातहतों की इन संदिग्ध गतिविधियों की भनक तक नहीं है। पुलिस और माफिया के बीच के 'नापाक गठबंधन' का सच क्या है। क्या कानून की बेड़ियाँ इन रसूखदार माफियाओं के सामने बौनी साबित हो रही हैं।

जनता की पुकार : आईजी और एसपी से न्याय की उम्मीद

क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने अब आर-पार की जंग का ऐलान कर दिया है। शहडोल आईजी और पुलिस अधीक्षक से पुरजोर मांग की गई है कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच कराई जाए। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक चौकी प्रभारी की भूमिका की जांच कर उन पर सख्त कार्रवाई नहीं होती, तब तक मरखीमाता की भूमि सुरक्षित नहीं है। अब देखना यह है कि क्या 'साहब' अपने महकमे की सफाई करेंगे या खाकी के साये में यह काला खेल यूँ ही जारी रहेगा।

मांग | नवतनवां एक्सप्रेस के ठहराव सहित कई मांगो का सौपा पत्र

रेल यात्री सुविधा संघर्ष समिति ने डीआरएम को सौंपा मांग पत्र

नवभारत, बुढ़ार। स्थानीय रेल सुविधाओं के विस्तार और यात्रियों की समस्याओं के समाधान को लेकर सर्वदलीय रेल यात्री सुविधा संघर्ष समिति ने एक बार फिर आवाज बुलंद की है। समिति के त्रि-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन के अनूपपुर प्रवास के दौरान उनसे भेंट कर चार सूत्रीय मांगपत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में संयोजक रोहणी प्रसाद गर्ग, अध्यक्ष मनोज कुमार जैन और प्रवक्ता बिहारी लाल साहू शामिल थे। उन्होंने बुढ़ार जैसे महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन पर तीर्थस्थली अयोध्या जाने वाली नवतनवां एक्सप्रेस के ठहराव की मांग

प्रमुखता से उठाई। साथ ही इस ट्रेन के सप्ताह में तीन दिन संचालन की भी आवश्यकता बताई, जिससे क्षेत्रीय यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिल सके।

इसके अतिरिक्त समिति ने स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 1, 2 और 3 को जोड़ने वाले फुटओवर ब्रिज को दक्षिण दिशा की ओर विस्तार देने, शहडोल-नागपुर ट्रेन का संचालन अंबिकापुर से ओवरनाइट शुरू करने तथा स्टेशन के पश्चिमी हिस्से में स्थित देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के ऐतिहासिक सभा मंच के जीर्णोद्धार की अनुमति प्रदान करने की मांग भी रखी। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि इन मांगों के पूर्ण होने से न केवल यात्रियों को सुविधा मिलेगी, बल्कि क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को भी नई पहचान मिलेगी। मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन ने मांगों को गंभीरता से लेते हुए उनके समाधान का आश्वासन दिया। समिति को उम्मीद है कि प्रशासन शीघ्र ही इन मांगों पर सकारात्मक पहल करेगा, जिससे बुढ़ार रेलवे स्टेशन को उसकी महत्ता के अनुरूप सुविधाएं प्राप्त हो सकेंगी।